मूल्य 1 रु.
वर्षः 12 - अंक : 262, मुंबई, शुक्रवार, 2 दिसंबर, 2022 ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादकः दिलशाद एस. खान
दैनिक
मुंबई हलचल
भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त ®
अब हर सच होगा उजागर

एक साल का सफर, दिसंबर 2021 में की गई थी शिकायत

दै. मुंबई हलचल की खबर का हुआ असर

मुश्ताक शाह हुआ SUSPEND

निम्बाहेड़ा कोतवाली चित्तौड़गढ़ राजस्थान का भ्रष्ट पुलिस अधिकारी मुश्ताक शाह लड़कियों का अश्लील वीडियो बनाकर करता था ब्लैकमेल

मुंबई हलचल / सुम्बुल मदनी

चित्तौड़गढ़। निम्बाहेड़ा कोतवाली चित्तौड़गढ़ राजस्थान के भ्रष्ट पुलिस अधिकारी मुश्ताक शाह का कांग्रेस की महिला पार्षद के साथ अश्लील वीडियो वायरल हुआ है। आपको बता दें कि यह वही भ्रष्ट पुलिस अधिकारी मुश्ताक शाह है जिसके काले करतूतों के पीछे दै. मुंबई हलचल लगभग 1 वर्ष से पड़ा था और मुश्ताक शाह के भ्रष्टाचार का खबर भी दै. मुंबई हलचल में प्रकाशित किया गया था, दै. मुंबई हलचल ने चित्तौड़गढ़ जिले के ईमानदार एसपी राजन दुष्यंत को भ्रष्ट मुश्ताक शाह के काले करतूतों के बारे में अवगत कराया था, एसपी राजन दुष्यंत और पुलिस उपायुक्त आशीष रेपास्वाल ने निम्बाहेड़ा कोतवाली के भ्रष्ट पुलिस अधिकारी मुश्ताक शाह पर तुरंत कार्रवाई करने का आदेश जारी किया। (शेष पृष्ठ 3 पर)

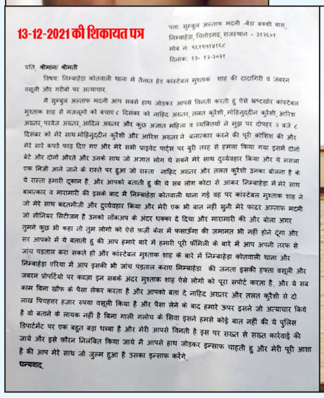
13-12-2021 की शिकायत पत्र

दै. मुंबई हलचल एक वर्ष से निम्बाहेड़ा कोतवाली चित्तौड़गढ़ राजस्थान के भ्रष्ट पुलिस अधिकारी मुश्ताक शाह के पीछे पड़कर इसके सारे काले करतूतों को चित्तौड़गढ़ जिले के एसपी राजन दुष्यंत के सामने किया था उजागर

राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत व चित्तौड़गढ़ जिले के एसपी राजन दुष्यंत से अपील है कि निम्बाहेड़ा कोतवाली के भ्रष्ट पुलिस अधिकारी मुश्ताक शाह के साथ संग्राम सिंह पर भी कड़ी से कड़ी कार्रवाई करते हुये इनको सलाखों के पीछे भेजा जाये और जो निम्बाहेड़ा कोतवाली में अल्ताफ मदनी व सुम्बुल अल्ताफ मदनी पर फर्जी मामला दर्ज किया गया था उसको तुरंत खत्म किया जाये

चित्तौड़गढ़ जिले के एसपी राजन दुष्यंत ने की सराहनीय कार्य

राजन दुष्यंत   आशीष रेपास्वाल

चित्तौड़गढ़ जिले के एसपी राजन दुष्यंत से जब मामले के 6 महीने बाद दै. मुंबई हलचल के संवाददाता ने मिलकर अपनी बात रखी तो एसपी राजन दुष्यंत तुरंत इस मामले को गंभीरता से लेते हुये निम्बाहेड़ा कोतवाली के सभी वरिष्ठ अधिकारियों को बुलाकर फटकार लगाई, साथ ही कहा इतने दिनों से आप इस मामले में कार्रवाई क्यों नहीं की, जिसके बाद निम्बाहेड़ा कोतवाली के भ्रष्ट अधिकारियों को एसपी राजन दुष्यंत और पुलिस उपायुक्त आशीष रेपास्वाल ने तुरंत इस मामले में केस दर्ज करके कार्रवाई करने का आदेश जारी किया, उसके बाद निम्बाहेड़ा कोतवाली के भ्रष्ट अधिकारियों ने लगभग 1 वर्ष हो जाने के बाद के दर्ज किया, आप सोच सकते हैं कि जब एक पत्रकार के साथ ऐसा हो सकता है तो आम नागरिकों को तो निम्बाहेड़ा कोतवाली के भ्रष्ट अधिकारी बार-बार कोतवाली के चक्कर लगवाकर उसके पैर के चप्पल तक घिसवा देते, चित्तौड़गढ़ जिले के ईमानदार एसपी राजन दुष्यंत ने सराहनीय कार्य किया है, दै. मुंबई हलचल एसपी राजन दुष्यंत को सलाम करता है, अगर चित्तौड़गढ़ जिले के एसपी राजन दुष्यंत के तरह सभी पुलिस वाले हो जाये तो, आम जनता को इंसाफ के लिए दर-दर की ठोकरे खाना न पड़े

मनपा पी/साउथ व बांगुर नगर पुलिस के कान में नहीं रेंग रहा है जूं

आज से फिर शुरू हो रहा है 3 दिनों के लिए इनऑर्बिट मॉल के गार्डेन एरिया में अवैध शॉप व स्टॉल

मुंबई हलचल / संवाददाता

मुंबई। P/South Ward & Bangur Nagar Police Station के अंतर्गत Urban Stuff Retail, PI Parking Inorbit Mall Malad (W) में आज (2/12/2022) से फिर शुरू हो रहा है अवैध शॉप व स्टॉल, बता दें कि अवैध शॉप व स्टॉल बनाने का काम रात और दिन चालू है, इस अवैध शॉप व स्टॉल की वजह से वहां पर पार्किंग के लिए बहुत ज्यादा तकलीफ होती है, लेकिन मनपा पी/साउथ और बांगुर नगर पुलिस की कान में जूं नहीं रेंग रहा है, अतः मनपा अधिकारी इस अवैध शॉप व स्टॉल को जल्द से जल्द बंद कराये।

हमारी बात

राहुल क्यों करे मोदी की नकल?

लोकतंत्र में सभी नेताओं और दलों को स्वतंत्रता होती है कि यदि वे करना चाहें तो हर किसी की आलोचना करें लेकिन आजकल नेता लोग एक-दूसरे की निंदा करने और नकल करने में नए-नए प्रतिमान कायम कर रहे हैं। राहुल गांधी को देखकर लगता है कि नरेंद्र मोदी और राहुल गांधी भाई-भाई हैं। हालांकि दोनों के बौद्धिक स्तर में ज्यादा फर्क नहीं है लेकिन मोदी के आलोचक भी मानते हैं कि राहुल के मुकाबले मोदी बहुत अधिक प्रभावशाली वक्ता हैं। वे जो बात भी कहते हैं, वह तर्कसंगत और प्रभावशाली होती है जबकि राहुल का बोला हुआ लोगों की समझ में ही नहीं आता। कई बार राहुल के मुंह से ऐसी बातें निकल जाती हैं, जो कांग्रेस पार्टी की परंपरागत नीति के विरुद्ध होती हैं। फिर भी राहुल की हरचंद कोशिश होती है कि वह मोदी के विकल्प की तरह दिखने लगें। राहुल ने मोदी की तरह अपनी दाढ़ी बढ़ा ली है। और बिल्कुल मोदी की तरह धोती लपेटकर मूर्ति के आगे साष्टांग दंडवत करना, पूजा-पाठ करना तिलक कढ़वाना और प्रसाद खाना वगैरह की अदाएं ऐसी लगती हैं कि जैसे कोई नेता मोदी की प्रामाणिक नकल कर रहा है। एक तरफ राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ पर खुलकर प्रहार करना ताकि मुस्लिम वोट थोक में पट सकें और दूसरी तरफ उज्जैन के महाकाल जैसे मंदिर में जाकर लेट जाना ताकि भाजपा के हिंदू वोटों में सेंध लग सके लेकिन भारत के आम लोग भी क्या इन नौटंकियों की असलियत को नहीं समझते हैं? क्या आपको याद पड़ता है कि कभी आपने नेहरु जी और अटलजी जैसे बड़े नेताओं को ऐसी नौटंकी करते देखा है? राहुल तो राजनीति के कच्चे खिलाड़ी हैं लेकिन कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को आप क्या कहेंगे? उन्होंने मोदी की तुलना रावण से कर दी है और वह भी कहां? गुजरात में और वह भी एक चुनावी सभा में। अच्छा हुआ कि राहुल का बड़ा दौरा गुजरात में नहीं हुआ। वरना पता नहीं कि वहां वे क्या गुल खिलाते? सोनिया गांधी ने मोदी को मौत का सौदागर कह दिया था। उसका नतीजा सामने आ गया। मोदी की आलोचना करते वक्त यदि कांग्रेसी नेता अपने तर्कों, तथ्यों और शब्दों पर जरा ध्यान दें तो लोग उनकी बात सुनेंगे जरुर लेकिन दुर्भाग्य है कि देश के एकमात्र अखिल भारतीय दल के पास आज न तो कोई प्रभावशाली वक्ता है और न ही सम्मानीय नेता है। राहुल की भारत जोड़ो यात्रा से भारत कितना जुड़ रहा है, कुछ पता नहीं लेकिन अर्धमृत हुए कांग्रेसी कार्यकर्ताओं में कुछ उत्साह का संचार जरुर हुआ है। राहुल अगर यह समझ ले कि मोदी की नकल उसे अखबारों और टीवी चैनलों पर प्रचार तो दिलवा सकती है लेकिन नेता नहीं बनवा सकती तो कांग्रेस का ज्यादा भला होगा। राहुल को नकल से नहीं, अकल से काम लेना होगा। तभी कांग्रेस का बेड़ा पार हो सकेगा।

टकराव से रास्ता नहीं निकलेगा

उच्च न्यायपालिका में जजों की नियुक्ति को लेकर सरकार और न्यायपालिका के बीच जो गतिरोध बना है और टकराव शुरू हुआ है उससे क्या यह माना जाए कि अब ये मामला निर्णायक दौर में पहुंच गया है? यह सवाल इसलिए है क्योंकि उच्च अदालतों और सर्वोच्च अदालत में जजों की नियुक्ति का कॉलेजियम सिस्टम जब से बना है तभी से सरकार और सर्वोच्च अदालत में टकराव चलता रहा है। लेकिन इससे पहले कभी किसी कानून मंत्री ने ऐसे दो टूक अंदाज में अदालत को जवाब नहीं दिया था, जैसा किरेन रिजिजू ने दिया है। इससे पहले कभी टकराव में ऐसी निरंतरता भी नहीं रही है और न कभी सुप्रीम कोर्ट की कॉलेजियम की इतनी सिफारिशें एक साथ लौटाई गई हैं। सरकार ने एक साथ 19 सिफारिशें लौटा दी हैं, जिनमें 10 सिफारिशें तो ऐसी हैं, जो दोबारा भेजी गई थीं। सुप्रीम कोर्ट ने सेकेंड जज केस में 1993 में जो फैसला दिया था और जिसके आधार पर कॉलेजियम बना था, उसके मुताबिक दोबारा भेजी गई सिफारिश को मानने के लिए सरकार बाध्य है लेकिन सरकार ने ऐसी 10 सिफारिशें सुप्रीम कोर्ट को वापस भेज दी हैं।

देश के कानून मंत्री किरेन रिजिजू ने जजों की नियुक्ति के कॉलेजियम सिस्टम की आलोचना करते हुए इसे भारतीय संविधान के लिए 'एलियन' जैसी चीज कहा और पूछा कि संविधान के किस अनुच्छेद में इसका प्रावधान किया गया है। इतना ही नहीं उन्होंने यह भी कहा कि अगर न्यायपालिका को लगता है कि सरकार उसकी सिफारिशों को लटका कर रखती है तो वह सरकार को नाम मत भेजे, खुद नियुक्ति करे और सब कुछ खुद करे। कानून मंत्री की इस टिप्पणी से नाराज सुप्रीम कोर्ट के दो जजों- जस्टिस संजय किशन कौल और जस्टिस अभय ओका की बेंच ने कहा कि बहुत उच्च स्तर से यह बात कही गई है, ऐसा नहीं होना चाहिए। यह सही है कि कॉलेजियम सिस्टम का संविधान में जिक्र नहीं है और संविधान सभा की बहस में जजों को नियुक्ति के अधिकार देने के सुझाव को खारिज करके यह अधिकार कार्यपालिका को दिया गया था। लेकिन पिछले करीब 30 साल से कॉलेजियम सिस्टम देश में लागू है। सो, अब लाइन खींच गई है। एक तरफ सरकार है, जो सर्वोच्च अदालत की ओर से जजों की नियुक्ति के लिए भेजी गई सिफारिशों को वापस लौटा रहा है और कॉलेजियम सिस्टम को 'एलियन' बता कर उसे संविधान विरूद्ध साबित कर रही है। दूसरी ओर सुप्रीम कोर्ट के लिए नियुक्ति की यह व्यवस्था ऐसा पवित्र प्रावधान है, जिस पर सवाल नहीं उठाया जा सकता है। ध्यान रहे केंद्र में नरेंद्र मोदी की सरकार आने के बाद इस व्यवस्था को बदलने का एक सुविचारित प्रयास हुआ था। राष्ट्रीय न्यायिक नियुक्ति आयोग यानी एनजेएसी का बिल 2015 में संसद से पास किया गया था, जिसमें उच्च अदालतों में जजों की नियुक्ति के लिए पांच लोगों का आयोग बनाने का प्रावधान था। इसमें सुप्रीम कोर्ट के दो जज, देश के कानून मंत्री और सरकार की ओर से नामित दो प्रख्यात नागरिकों या कानूनविदों को रखने का प्रावधान था। परंतु एक साल बाद 2016 में सुप्रीम कोर्ट की पांच जजों की संविधान पीठ ने इसे खारिज कर दिया। उसके बाद सरकार ने दोबारा इसकी विधायी पहल नहीं की। तभी पहला सवाल सरकार की मंशा और उसके प्रयासों पर उठ रहा है। भले संविधान में कॉलेजियम सिस्टम का प्रावधान नहीं है लेकिन देश में जजों की नियुक्ति का कॉलेजियम सिस्टम लागू है। यह 'लॉ ऑफ द लैंड' है कि नियुक्ति सुप्रीम कोर्ट के पांच जजों की कॉलेजियम की सिफारिश पर होगी। केंद्र की मौजूदा सरकार ने भी इसे स्वीकार किया है तभी आठ साल से नियुक्ति की यह प्रक्रिया जारी है। इसलिए अचानक ऐसा नहीं हो सकता है कि सरकार यह कानून न माने। दूसरा पहलू यह है कि अगर कॉलेजियम सिस्टम असंवैधानिक है तो उसके जरिए हुई तमाम नियुक्तियां असंवैधानिक हो जाएंगी और इस काम में केंद्र की सरकार भी बराबर की भागीदार मानी जाएगी क्योंकि अंतिम तौर पर नियुक्ति उसकी मंजूरी और राष्ट्रपति के वारंट से ही होती है। ध्यान रहे सरकार को कानून बदलने और नया कानून बनाने का अधिकार है। इससे पहले कितनी बार सरकारों ने सुप्रीम कोर्ट के फैसलों को पलटने के लिए कानून बनाए हैं। लेकिन यह नहीं हो सकता है कि जब तक कानून लागू है तब तक सरकार उसका पालन न करे। अगर सरकार ही किसी कानून का पालन नहीं करेगी तो लोगों से कैसे उम्मीद की जा सकती है कि वे कानून का पालन करें? इसलिए कॉलेजियम सिस्टम पर सवाल उठाना अपनी जगह है लेकिन जब तक वह सिस्टम सरकार बदलती नहीं है तब तक उसे उसका पालन करना चाहिए।

सरकार की मंशा पर सवाल इसलिए भी उठ रहे हैं क्योंकि संवैधानिक संस्थाओं को लेकर उसका पिछला रिकॉर्ड बहुत अच्छा नहीं है। तमाम संवैधानिक व वैधानिक संस्थाओं में नियुक्तियों के सिस्टम के साथ छेड़छाड़ हुई है। ऐसे लोग नियुक्त किए गए हैं या ऐसे लोगों को सेवा विस्तार दिया गया है, जिनसे संस्थाओं पर सवाल उठे हैं। संवैधानिक व वैधानिक संस्थाएं भी सरकार के अधीनस्थ विभागों की तरह काम करती दिख रही हैं। इसलिए जब उच्च न्यायपालिका में नियुक्तियों के सिस्टम को लेकर केंद्र सरकार ने टकराव का रास्ता अख्तियार किया तो उस सिस्टम की तमाम खामियों के बावजूद सरकार के प्रयासों पर भी सवाल उठे हैं। अब दूसरा सवाल जजों की नियुक्ति के कॉलेजियम सिस्टम को लेकर है। सचमुच दुनिया के किसी देश में ऐसा सिस्टम नहीं होगा कि जज ही जज को नियुक्त करें। इस लिहाज से यह अजीब सी चीज लगती है। हालांकि इससे कोई इनकार नहीं कर सकता है कि सेकेंड जज केस में कॉलेजियम सिस्टम बनाए जाने से पहले सरकारों द्वारा जजों की नियुक्ति का सिस्टम बहुत खराब था। सरकारें अपने पसंदीदा लोगों को जज नियुक्त करती थीं। उनकी नियुक्ति में कई बार वरिष्ठता के मान्य सिद्धांत का पालन नहीं होता था। प्रमोशन और तबादलों में भी सरकारें मनमानी करती थीं। आज भी अगर फिर नियुक्ति सरकार के हाथ में चली जाए, तो फिर वैसा ही होगा। लेकिन अफसोस की बात है कि इस खतरे से बचने के लिए कॉलेजियम का जो सिस्टम अख्तियार किया गया वह पूरी तरह से अस्पष्ट और अपारदर्शी है। किसी को पता नहीं चलता है कि किस आधार पर किसी वकील को जज बनाने या किसी जज को प्रमोशन देकर उच्च अदालत या सर्वोच्च अदालत में जज बनाने की सिफारिश की गई है। यह भी पता नहीं चलता है कि सरकार किस आधार पर सिफारिशों को मंजूर या नामंजूर करती है। सब कुछ बेहद गोपनीय रखा जाता है। किसी उदार, लोकतांत्रिक देश में नियुक्तियों की प्रक्रिया का इस तरह से अपारदर्शी होना ठीक नहीं है।

इसलिए यह सिस्टम बदलना चाहिए। लेकिन सवाल है कि इसकी जगह कौन सा सिस्टम हो? ध्यान रहे भारतीय जनता पार्टी के नेता हर साल इमरजेंसी की बरसी के मौके पर इंदिरा गांधी सरकार की आलोचना करते हुए बताते हैं कि कैसे कई वरिष्ठ जजों को दरकिनार करके उन्होंने जस्टिस अजित नाथ रे को चीफ जस्टिस बनाया था। आज भी इस बात की गारंटी नहीं दी जा सकती है कि न्यायिक नियुक्तियां सरकार के हाथ में चली जाएं तो वैसा नहीं होगा, जैसा इंदिरा गांधी के समय हुआ था। सो, एक संतुलित व्यवस्था की जरूरत है, जो सिफारिश, जांच और मंजूरी के मामले में पूरी तरह से स्पष्ट व पारदर्शी हो और जिसमें न्यायपालिका या सरकार में से किसी का वर्चस्व न हो। ऐसा सिस्टम न्यायपालिका और कार्यपालिका के टकराव से नहीं बनेगा, बल्कि दोनों के बीच सार्थक संवाद से बनेगा, जिसमें विपक्ष को भी शामिल किया जाना चाहिए।

मालिक,मुद्रक,प्रकाशक-**दिलशाद एस खान** द्वारा एस आर प्रिंटिंग प्रेस,मोहन अर्जुन कंपाउंड, वैशाली नगर दहिसर (पूर्व),मुंबई-68 से मुद्रित व मुंबई हलचल,साईं मंगल को ऑ हॉ सो बी-2-301,इस्माइल बाग नियर मालाड शॉपिंग सेंटर,
एस वी रोड,मालाड (प) मुंबई से प्रकाशित RNI NO MAHHIN/2010/34146, फोन:**9619102478 /9821238815**
email: mumbaihalchal@gmail com संपादक: **दिलशाद एस खान**, समाचार पत्र में छपे किसी भी समाचार से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। किसी भी विवाद का निपटारा न्याय क्षेत्र मुंबई होगा।

मुंबई पुलिस के क्विक एक्शन से खुश हुई कोरियन महिला यूट्यूबर

पुलिस कस्टडी में पहुंचे छेड़छाड़ के आरोपी

खार पुलिस ने आईपीसी की धारा 354 के तहत दर्ज किया केस

मुंबई हलचल/संवाददाता

मुंबई। मुंबई के खार इलाके में सरेआम कोरियाई महिला यूट्यूबर से अश्लील हरकत करने वाले युवकों को एक दिन की पुलिस हिरासत में भेजा गया है। उधर, विदेशी महिला यूट्यूबर ह्योजिओंग पार्क मुंबई पुलिस की तत्काल कार्रवाई से खुश है। दरअसल, घटना का वीडियो वायरल होने के बाद मुंबई की खार पुलिस ने खुद संज्ञान लेते हुए अश्लीलता करने वाले आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया था। दक्षिण कोरियाई यूट्यूबर ह्योजिओंग पार्क ने कहा 'मेरे साथ दूसरे देश में भी इस तरह की घटनाएं हो चुकी है, लेकिन उस समय पुलिस को बुलाने के लिए कुछ नहीं कर सकी। भारत में बहुत तेजी से कार्रवाई की जा रही है। मैं तीन सप्ताह से अधिक समय से मुंबई में हूं, अब और अधिक समय तक रहने की योजना बना रहा हूं। पार्क ने आगे कहा 'मैं नहीं चाहती कि इस एक बुरी घटना की वजह से मैं मेरी पूरी यात्रा और अन्य देशों को अद्भुत भारत दिखाने के मेरे जुनून को बर्बाद करूँ।' आरोपी युवकों ने ह्योजिओंग पार्क से तब छेड़छाड़ की जब वह खार की एक गली से वीडियो लाइव स्ट्रीमिंग कर रहीं थी। पुलिस के मुताबिक, आरोपियों की पहचान मोबीन चाँद मोहम्मद शेख और मोहम्मद नकीब अंसारी के तौर पर हुई है। उनके खिलाफ खार पुलिस ने आईपीसी की धारा 354 के तहत केस दर्ज किया है। आरोप है कि घटना रात करीब आठ बजे की है, उस समय पीड़िता लाइव स्ट्रीमिंग कर रही थी, जिससे युवकों की करतूत कैमरे में रिकॉर्ड हो गई। हालांकि पुलिस को इस संबंध में कोई शिकायत नहीं मिली थी, लेकिन पुलिस ने वायरल वीडियो के आधार पर खुद संज्ञान लिया है और केस दर्ज किया। वीडियो में दिख रहा है कि एक युवक ह्योजिओंग पार्क के काफी करीब आता है और किस करने की भी कोशिश करता है। हालांकि पीड़िता पार्क जब विरोध करती है तो आरोपी उनका हाथ पकड़कर खींचकर स्कूटर पर बिठाने की कोशिश करता है। बाद में महिला घटनास्थल से आगे जाने लगती है तो दोनों युवक स्कूटर से उसका पीछा करते है। हालांकि पूरे वीडियो में महिला टूटी-फूटी अंग्रेजी में युवकों का विरोध करती नजर आ रही है।

(पृष्ठ 1 का समाचार)

मुश्ताक शाह हुआ सस्पेंड

जिसके बाद आज दै. मुंबई हलचल की खबर का असर हुआ और निम्बाहेड़ा कोतवाली चित्तौड़गढ़ राजस्थान का भ्रष्ट पुलिस अधिकारी मुश्ताक शाह को सस्पेंड कर दिया गया है। आपको बता दें कि निम्बाहेड़ा कोतवाली चित्तौड़गढ़ राजस्थान का मुश्ताक शाह और संग्राम सिंह यह दोनों पुलिस अधिकारी है, यह दोनों पुलिस के नाम पर एक कलंक है। 1 वर्ष पहले भ्रष्ट पुलिस अधिकारी मुश्ताक शाह और संग्राम सिंह ने पैसे लेकर एक फर्जी मामला दर्ज किया था, और पीड़ित से मामला रफादफा करने के लिए अश्लील बातें की, उनके साथ compromise की बातें कहीं थी। जिसके बाद पीड़ित ने इंसाफ के लिए दै. मुंबई हलचल की मदद ली थी, मुंबई हलचल ने निम्बाहेड़ा कोतवाली चित्तौड़गढ़ राजस्थान के भ्रष्ट पुलिस अधिकारी मुश्ताक शाह के काले करतूतों को उजागर करने के लिए 1 वर्ष से मेहनत कर रहा था, नतीजा आज यह हुआ कि भ्रष्ट पुलिस अधिकारी मुश्ताक शाह आज सस्पेंड कर दिया गया है। अब दै. मुंबई हलचल यह मांग करता है कि जिस तरह से भ्रष्ट पुलिस अधिकारी मुश्ताक शाह पर कार्रवाई की गई है उसी तरह निम्बाहेड़ा कोतवाली चित्तौड़गढ़ राजस्थान के पुलिस अधिकारी संग्राम सिंह पर कार्रवाई करके इन दोनों को सलाखों के पीछे बंद किया जाये। संग्राम सिंह भी भ्रष्टाचार के मामले में मुश्ताक शाह से आगे है। निम्बाहेड़ा कोतवाली चित्तौड़गढ़ राजस्थान के भ्रष्ट पुलिस अधिकारी मुश्ताक शाह और संग्राम सिंह पीड़ित को रात भर अपने केबिन में बैठा कर रखते हैं और केस को रफादफा करने के लिए compromise की बातें करते हैं। जो पीड़ित इनकी बातों को नहीं मानता उसको ये दोनों धमकी देते है कि हम आपको कोतवाली और कोर्ट के चक्कर लगवाकर तुम्हारे पैर के चप्पल तक घिसवा देंगे।

एमआईएम के पूर्व नगरसेवक शाह आलम आजमी द्वारा की गई हजरत पहलवान शाह बाबा और खरावली देवी मंदिर पर सीढ़ी और स्ट्रीट लाइट लगाने की मांग

मुंबई हलचल / संवाददाता

मुंब्रा। एमआईएम के पूर्व नगरसेवक शाह आलम आजमी द्वारा की गई हजरत पहलवान शाह बाबा और खरावली देवी मंदिर पर सीढ़ी और स्ट्रीट लाइट लगाने की मांग इस मामले में एमआईएम पार्टी के पूर्व नगरसेवक शाह आलम आजमी ने जानकारी देते हुए बताया कि मुंब्रा शहर की पहाड़ों की चोटी पर आराम फरमाने वाले हजरत पहलवान शाह दुल्हा ताबाईन रहमतुल्लाह ताला अलैहे की मजार शरीफ पर जाने के लिए जाहिरीन को काफी दिक्कतों का सामना वर्षों से करना पड़ रहा है कारण यह है मजार शरीफ पर जाने वाला रास्ता कच्चा है रास्ते में बड़े पत्थर हैं और रात के समय मजार शरीफ से उतरने के लिए स्ट्रीट लाइट तक नहीं है जिसके कारण महिलाओं पुरुषों और बच्चों को मजार शरीफ पर जाने के लिए काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है और उन्होंने बताया मजार शरीफ पर पानी की लाइन तक नहीं है जिससे मजार शरीफ पर आए जाहिरीन को नमाज के लिए वजू बनाने में और पीने के पानी के लिए काफी दिक्कतें हो जाती है हजरत पहलवान शाह दूल्हा ताबाईन रहमतुल्ला ताला अलैहे के खादिम कौसर बाबा जो 27 वर्षों से बाबा की खिदमत कर रहे हैं और होने वाला बाबा का उर्स ए शरीफ का भी पूरा इंतजाम कौसर बाबा के मार्गदर्शन में किया जाता है उन्होंने बताया अगर मनपा प्रशासन द्वारा बाईपास से लेकर मजार शरीफ तक जाने आने के लिए सीढ़ियां और स्ट्रीट लाइट लगा दी जाएगी पानी की लाइन डाल दी जाएगी तो जाहिरीन की तमाम दिक्कतें समाप्त हो जाएंगी और साथ-साथ उन्होंने बताया शिलफाटा परिसर से गुजरते हुए रास्ता जोकि खारावली मंदिर की ओर जाता है यह मंदिर पर जाने वाला रास्ता भी कच्चा है और श्रद्धालुओं को जाने में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है उन्होंने बताया यहां मंदिर पर जाने के लिए सीढ़ियां और स्ट्रीट लाइट लगाई जाए जाने से श्रद्धालुओं को जाने आने में कोई दिक्कतों का सामना नहीं करना पड़ेगा वह आराम से जाकर मंदिर में पूजा अर्चना कर सकते हैं उन्होंने बताया महाराष्ट्र राज्य के नवनिर्वाचित मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे को उनके बंगले पर पत्र देकर यह मांग की है और खुशी की बात यह है कि मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की मंजूरी मिल गई है और जल्द ही मनपा प्रशासन शहर विभाग में प्रस्ताव के लिए भेज दिया जाएगा और बजट पास होने के बाद काम की शुरूआत की जाएगी इस अवसर पर एमआईएम पार्टी के पूर्व नगरसेवक शाह आलम आजमी एनसीपी के पूर्व नगरसेवक राजू अंसारी और तमाम कार्यकर्ता पदाधिकारी की उपस्थिति में पत्र देकर मांग की गई।

20 दिसंबर तक बीएमसी वार्डों के परिसीमन को आगे नहीं बढ़ाएंगी शिंदे सरकार

मुंबई। शिंदे सरकार ने बॉम्बे हाई कोर्ट को सूचित किया कि वह वार्डों के परिसीमन का प्रोसेस तब तक आगे नहीं बढ़ाएगी जब तक कि बृहन्मुंबई नगर निगम में वार्डों की संख्या कम करने के खिलाफ दायर याचिका पर अगली सुनवाई नहीं हो जाती। कोर्ट ने इस मामले की सुनवाई के लिए 20 दिसंबर की तारीख मुकर्रर की है। जस्टिस एसवी गंगापुरवाला और एएस डॉक्टर की खंडपीठ दो पूर्व पार्षदों द्वारा दायर दो याचिकाओं पर सुनवाई कर रही थी, जिसमें शिंदे सरकार द्वारा जारी अध्यादेश को चुनौती दी गई थी, जिसमें बीएमसी की सीमा के अंदर सीधे निर्वाचित पार्षदों की संख्या 236 से घटाकर 227 कर दी गई थी। शिंदे सरकार की तरफ से पेश वरिष्ठ वकील विक्रम ननकानी ने बुधवार को कोर्ट से कहा कि सुनवाई की अगली तारीख तक सरकार बीएमसी संबंधी परिसीमन प्रक्रिया को आगे नहीं बढ़ाएगी। पीठ ने उनके इस बयान को स्वीकार कर लिया और कहा कि याचिकाकताओं की आशंका का समाधान कर दिया गया है। बता दें कि उद्धव ठाकरे नीत तत्कालीन महाविकास आघाड़ी सरकार ने बीएमसी के वार्डों की संख्या 227 से बढ़ाकर 236 करने का निर्णय लिया था, लेकिन इस साल जून महीने में उद्धव ठाकरे नीत सरकार गिर गई थी। जिसके बाद एकनाथ शिंदे के नेतृत्व में महाराष्ट्र में नई सरकार बनी। शिंदे सरकार ने अगस्त में एक अध्यादेश जारी कर वार्डों की संख्या को पुनः 227 कर दिया।

हनुमान चालीसा मामले में नवनीत राणा और रवि राणा की मुश्किलें बढ़ी, कोर्ट से जारी हुआ अरेस्ट वारंट

मुंबई हलचल / संवाददाता

मुंबई। हनुमान चालीसा मामले में अमरावती सांसद नवनीत राणा और उनके विधायक पति रवि राणा की मुश्किलें बढ़ती नजर आ है। मुंबई की एक सत्र अदालत ने हनुमान चालीसा मामले की सुनवाई के दौरान पेश नहीं होने पर गुरुवार को राणा दंपत्ति के खिलाफ जमानती गिरफ्तारी वारंट जारी किया है। मुंबई पुलिस ने अमरावती की निर्दलीय सांसद नवनीत राणा और उनके पति रवि राणा को धार्मिक शांति भंग करने और धार्मिक शत्रुता को बढ़ावा देने के आरोप में इसी साल अप्रैल महीने में उनके खार निवास से गिरफ्तार किया गया था। तब राणा दंपत्ति ने ऐलान किया था कि वे 'शिवसेना को हिंदुत्व सिद्धांतों की याद दिलाने' के लिए पूर्व सीएम उद्धव ठाकरे के घर 'मातोश्री' के बाहर हनुमान चालीसा का पाठ करेंगे। हालांकि तब शिवसैनिकों

के हंगामे के बाद उन्होंने अपना कार्यक्रम रद्द कर दिया था। राणा दंपति के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 153 (ए) और मुंबई पुलिस अधिनियम की धारा 135 के तहत मामला दर्ज किया गया था। हालांकि बाद में लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को सांसद नवनीत ने पत्र लिखकर बताया कि ठाकरे के निजी आवास के सामने हनुमान चालीसा का पाठ करने का उनका फैसला मुख्यमंत्री के खिलाफ नहीं था। उन्होंने दावा किया कि वास्तव में सीएम ठाकरे को भी हनुमान चालीसा का पाठ करने के लिए आमंत्रित किया गया था। उन्होंने आरोप लगाया था कि उद्धव ठाकरे के नेतृत्व में शिवसेना कांग्रेस और एनसीपी के साथ गठबंधन करने के लिए अपने हिंदुत्ववादी सिद्धांतों से पूरी तरह भटक गई है। मातोश्री के बाहर हनुमान चालीसा का पाठ करने की घोषणा के बाद से सूबे का सियासत पारा चढ़ गया था। यहां तक की करीब दो हफ्ते जेल में बिताने के बाद मई में राणा दंपत्ति को जेल से रिहा किया गया था।

रूरल जर्नलिस्ट एसोसिएशन ऑफ इंडिया ने भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे.पी. नड्डा को जन्मदिन शुभकामनाएं दी

मुंबई हलचल / भैरू सिंह राठौड़

राजस्थान। भारतीय ग्रामीण पत्रकार संघ के राष्ट्रीय महासचिव गणेश शर्मा, राष्ट्रीय अध्यक्ष लोकेंद्र सिंह और भारतीय ग्रामीण पत्रकार संघ के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष कल्पेश ओझा ने ट्वीट कर बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा को उनके जन्मदिन की बधाई दी है। लोकेंद्र सिंह ने भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा के जन्मदिन पर उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएं। उनके स्वस्थ एवं दीघार्यु जीवन की कामना है। दरअसल, भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा बुधवार को अपना 62 वां जन्मदिन मना रहे हैं। भारतीय ग्रामीण पत्रकार संघ के राष्ट्रीय महासचिव गणेश नारायण शर्मा ने देश के पत्रकारों से भारतीय व्यापार संघ की सदस्यता लेने का आह्वान किया है। उक्त जानकारी भारतीय ग्रामीण पत्रकार संघ के राष्ट्रीय महासचिव गणेश नारायण शर्मा में राजस्थान संपादक भैरु सिंह राठौड़ को दी है।

राजे शिवाजी प्रा. विद्यालय धारावी में दादा दादी व नाना नानी सम्मान समारोह का किया गया आयोजन

संवाददाता

मुंबई। महात्मा फुले शिक्षण संस्था द्वारा संचालित राजे शिवाजी प्राथमिक विद्यालय उर्दू, हिंदी, मराठी व अंग्रेजी माध्यम धारावी के तत्वाद्यान में दादा दादी व नाना नानी सम्मान समारोह विद्यालय के प्रांगण में संस्था के अध्यक्ष बाबुराव माने कि प्रेरणा से बहुत ही अनोखे तरीके से आयोजित किया गया। कार्यक्रम कि अध्यक्षता अंग्रेजी माध्यम माध्यमिक विभाग के मुख्याध्यापिका श्रीमती स्वाती प्रमोद होलमुखे ने कि कार्यक्रम कि शुरुवात निमंत्रित किये गये बड़े बुजुर्ग का भव्य स्वागत उनके नन्हें मुन्ने नातीयो द्वारा किया गया। आज के इस भाग दौड़ कि जिंदगी में बड़े बुजुर्गो का खयाल

रखना बहुत हि आवश्यक है। हम यह भूल जाते है कि हमारे बड़े होनें का पूरा श्रेय घर के बड़े बुजुर्गो को हि जाता है। इतना हि नही आज हम जब घर पर नहीं होते है तो हमारे नवनिहालों का याल भी हमारे बड़े बुजुर्ग हि रखते है। ऐसे में यह हमारा परम कर्तव्य है कि हमे अपने बड़े बुजुंर्गो का खास याल रखाना बहुत जरुरी है। ऐसा प्रेरणादायक विचार कार्यक्रम के मुख्य अतिथी संस्था अध्यक्ष बाबुराव माने ने व्यक्त किये। कार्यक्रम में उपस्थित सभी बड़े बुजूर्गो के लिये विभिन्न प्रकार के खेल का आयोजन किया गया था। जिसने बुजूर्गो ने बढ़ चढ़कर उत्साह पूर्वक हिस्सा लिया। खेल में जीते हुए दादा दादी नाना नानी को पुरस्कार से प्रोत्साहित किया गया। दादा दादी नाना नानी ने गीत व भाषण के माध्यम से अपने मंतब्य भी व्यक्त किये। कार्यक्रम का समापन अध्यक्षीय भाषण के बाद कार्यक्रम आई सभी दादा दादी नाना नानी का तहे दिल से आभार प्रदर्शन के बाद हुआ। अंत में उन्हे बहुत हि आदर के साथ विदाई दि गयी। उस वक्त सम्मान समारोह में संस्था के सचिव दिलीप शिंदे, कोषाध्यक्ष प्रमोद माने, मनोहर जोशी महाविद्यालय के प्राचार्य कमलेश सोनपसारे, राजे शिवाजी विद्यालय प्राथमिक विभाग कि मुख्याध्यापिका अफरोज मॅडम, श्रद्धा माने मॅडम, नीलम प्रमोद माने सहित तमाम गणमान्य उपस्थित थे।

प्रेस वेलफेयर फाउंडेशन ने पवई विकास सेवा समिति के सदस्यों का सम्मान किया

मुंबई हलचल / भैरु सिंह राठौड़

राजस्थान। पवई विकास सेवा समिति के तत्वाधान में आगामी 4 दिसम्बर से भागवत कथा का आयोजन किया जाएगा है। समिति के सदस्यों कों प्रेस वेलफेयर फाउंडेशन ट्रस्ट का सम्मान चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। प्रेस वेलफेयर फाउंडेशन ट्रस्ट कार्यालय पर आए। धर्मेंद्र शुक्ला, इन्द्रमणि शुक्ला, रूप नारायण तिवारी, वीरेंद्र उपाध्याय, रूप नारायण दुबे आदि सभी ने श्री भागवत कथा में प्रेस वेलफेयर फाउंडेशन ट्रस्ट कों सम्मलित होने का आग्रह किया और कथा में आए अतिथियों को प्रेस वेलफेयर फाउंडेशन ट्रस्ट का चिन्ह अनुदान करने का आव्हान किया। आपको बता दें कि पवई विकास सेवा समिति कई वर्षों से सामाजिक कार्य के तौर पर श्री राम कथा व श्री भागवत कथा का आयोजन बड़े हर्षोल्लास से कर रही है। इस कार्यक्रम में हजारों की तादात में श्रधालुओं का समावेश होता है। कथा का शुभारम्भ 4 दिसम्बर कों 12 बजे कलस यात्रा निकाल कर किया जायेगा। कथा वाचक के तौर पर व्यास पीठ पर विद्यमान होंगे। आचार्य राघवेंद्र महाराज व उनके शिष्यगण समिति ने सभी विभागीय जनता से आव्हान किया है कि आप सब उचित समय पर पहुँच कर कथा का रसपान करें। गौरतलब है कि प्रेस वेलफेयर फाउंडेशन ट्रस्ट पत्रकारों के हितार्थ समर्पित एवं कृत संकल्पित है। प्रेस वेलफेयर फाउंडेशन ट्रस्ट के राष्ट्रीय अध्यक्ष महेंद्र कुमार पांडेय ने राजस्थान संपादक भैरु सिंह राठौड़ को बताया कि देश में पत्रकारों के साथ अत्याचार बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। पांडेय ने देश के पत्रकारों को संगठन से जुड़ने का आह्वान किया।

मुंबई-अहमदाबाद हाईवे पर ट्रक से भिड़ी कार, कल्याण में रहने वाले परिवार के 3 लोगों की मौत

संवाददाता

मुंबई। मुंबई के करीब कल्याण में रहने वाले एक परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। बुधवार रात मुंबई-अहमदाबाद राष्ट्रीय राजमार्ग पर दहाणू के पास तेज रफ्तार कार एक मालवाहक ट्रक से टकरा गई। जिससे कार में सवार चार लोगों में से तीन की मौके पर ही मौत हो गई। पीड़ित परिवार गुजरात से मुंबई लौट रहा था। बताया जा रहा है कि हादसे में मारे गए सभी लोग कल्याण निवासी एक ही परिवार के सदस्य हैं। हादसे में एक युवक बाल-बाल बच गया। हादसा तब हुआ जब कार गुजरात से मुंबई की ओर आ रही थी। मृतकों में श्री सत्यनारायण उर्फ बाबूशेठ अग्रवाल (80) शामिल हैं, जिन्होंने कल्याण के ऐतिहासिक और सांस्कृतिक पहलुओं को संरक्षित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। उनकी पत्नी सुमित्रा (78), आशा दीपक अग्रवाल की भी मौके पर ही मौत हो गई। जबकि केतन अग्रवाल (25) बाल-बाल बच गए। दुर्घटना में केतन को गंभीर चोटें आई हैं और अस्पताल में उनका इलाज चल रहा है। हादसा

होते ही हाइवे पुलिस ने सभी घायलों को वहां से कासा उपजिला अस्पताल और फिर धुंदलवाडी के निजी अस्पताल पहुंचाया। डॉक्टरों ने इलाज शुरू करने से पहले बाबूशेठ, सुमित्रा, आशा को मृत घोषित कर दिया। जबकि केतन की हालत चिंताजनक है। बताया जा रहा है कि अग्रवाल परिवार एक कार्यक्रम में शामिल होने के लिए मारुति ब्रेजा कार से कल्याण से गुजरात गया था। कार्यक्रम समाप्त होने के बाद वे अहमदाबाद होते हुए उसी कार से मुंबई लौट रहे थे। तभी दहाणू क्षेत्र में तेज रफ्तार कार से चालक का नियंत्रण खो गया और वह पीछे से ट्रक से टकरा गई। जानकारी के मुताबिक, तेज रफ्तार कार ट्रक को ओवरटेक करने की कोशिश कर रही थी और चालक वाहन से नियंत्रण खो बैठा। कार ट्रक के पिछले हिस्से में जा घुसी। टक्कर इतनी भीषण थी कि उसकी आवाज सुन ग्रामीण तत्काल मौके पर पहुंचे। हादसे के बाद कुछ वाहन मदद के लिए रुक गए। हाईवे पुलिस भी मौके पर पहुंची। फिर चारों लोगों को कासा उपजिला अस्पताल पहुंचाया। उसके बाद तीन लोगों को निजी अस्पताल ले जाया गया, जहां उनकी मौत की पुष्टि हुई. माना जा रहा है कि एयर बैग खुलने की वजह से युवक की जान बची। इस घटना से कल्याण शहर में कोहराम मच गया है।

5 साल से कर रहा था सैनिक बनने की तैयारी, अग्निवीर भर्ती में हुआ फेल, तो दे दी जान

कोल्हापुर। महाराष्ट्र के कोल्हापुर जिले के शिरोली के एक युवक ने सेना में भर्ती होने के उद्देश्य से कई वर्षों तक अभ्यास किया, लेकिन अग्निवीर भर्ती में असफल होने पर उसने अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली। 23 वर्षीय रमजान उर्फ आसिफ देसाई ने कोल्हापुर में अग्निवीर भर्ती में सफल नहीं होने के बाद हताशा में यह कदम उठाया। जानकारी के मुताबिक, आसिफ देसाई का शव बुधवार सुबह पुलाची शिरोली स्थित उसके आवास पर फांसी से झूलता मिला। शिरोली के रहने वाला युवक आसिफ देसाई पिछले पांच साल से शिरोली के मैदान में सैनिक बनने का सपना लेकर अभ्यास करता था। वह कोल्हापुर के शिवाजी विश्वविद्यालय खेल मैदान में चल रही अग्निवीर भर्ती में किस्मत आजमाने पहुंचा था। लेकिन बुधवार आधी रात को हुए फिजिकल फिटनेस टेस्ट में वह कामयाब नहीं हुआ। वह दौड़ने के टेस्ट में असफल रहा। फिर वह रात 2.30 बजे घर चला गया। बताया जा रहा है कि सुबह उसके गांव के दोस्त आसिफ से मिलने पहुंचे। परिजनो ने भी आसिफ को आवाज दी। इसके बाद भी जब आसिफ ने कोई जवाब नहीं दिया तो सब घबरा गए। दोस्त भी उसके कमरे का दरवाजा जोर जोर से खटखटाकर जगाने की कोशिश कर रहे थे। हालांकि, आसिफ के कमरे से कोई जवाब नहीं आया। इसके बाद माता-पिता के कहने पर दोस्तों ने कमरे का दरवाजा तोड़ दिया। आसिफ ने पंखे से फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली थी। परिजनों और दोस्त आसिफ को तुरंत अस्पताल ले गए। लेकिन डॉक्टरों ने आसिफ को मृत घोषित कर दिया। यह घटना बुधवार सुबह करीब ग्यारह बजे सभी को पता चली। इस घटना को लेकर शिरोली एमआईडीसी थाने में मामला दर्ज किया गया है। इकलौते संतान की मौत से परिवार में कोहराम मच गया है। दोस्त भी सदमे में हैं।

भुसावल रेल मंडल में 21 टीटीई सम्मानित

मुंबई हलचल/लियाकत शाह

भुसावल रेल मंडल में अक्टूबर के महीने में बेहतरीन काम करने वाले 21 ट्रेन टिकट चेकर को रेल मंडल कार्यलाय में बुधवार को सीडीओएम डॉ. शिवराज मानसपुरे द्वारा सम्मानित किया गया। सभी टीटीई को प्रमाणपत्र और 500 रुपए नगद दिए गए। सम्मान पाने के बाद सभी टीटीई के चेहरे पर खुशी देखी गई और भविष्य में इसी तरह से काम करने की बात कही गई।

दैनिक मुंबई हलचल

जरूरी सूचना

पाठकों, शुभचिंतकों व विज्ञापनदाताओं को सुचित किया जाता है कि अगर किसी को कोई समस्या हो तो वह नीचे दिये गये दै. मुंबई हलचल कार्यालय नंबर पर संपर्क करें. साथ ही आप अपने क्षेत्र के समस्याओं की समाचार व वीडियों हमें भेज सकते हैं.

धन्यवाद... संपादक

9821238815

गोंदिया में 10 साल की बच्ची के पेट से निकला आधा किलो बाल! 3 घंटे में मिला जीवनदान

मुंबई हलचल / संवाददाता

गोंदिया। हम अक्सर सुनते है कि बच्चे मिट्टी, चाक, राख, चूना आदि खाते हैं। लेकिन महाराष्ट्र में एक बच्ची को बाल खाने की आदत लग गई। इसमें सबसे ज्यादा हैरानी की बात यह हैं कि गोंदिया में रहने वाली बच्ची के पेट में एक-दो नहीं बल्कि करीब आधा किलो बाल पाया गया है। चाइल्ड स्पेशलिस्ट ने 10 साल की बच्ची का ऑपरेशन किया और बाल निकालकर उसे जीवनदान दिया। बच्ची के पेट से आधा किलो बाल निकालने के लिए डॉक्टरों को कड़ी मशक्कत करनी पड़ी। डॉक्टरों की टीम ने तीन घंटे की सर्जरी के बाद पेट से बाल निकालने में कामयाबी हासिल की। गोंदिया जिले के तिरोडा तालुका की 10 साल की बच्ची को तीन दिनों से भूख न लगना, पेट दर्द और उल्टी की शिकायत थी। इसके बाद उसके पिता ने उसे तिरोडा के बाल रोग विशेषज्ञ को दिखाया। डॉक्टर ने जब बच्ची की सोनोग्राफी निकलवाई तो पता चला कि बच्ची के पेट में कुछ अलग चीज है। इसके चलते उन्होंने उसे आगे के इलाज के लिए गोंदिया के निजी अस्पताल में

भेजा। जहां बच्ची की पीडियाट्रिक सर्जन डॉ. विभु शर्मा ने फिर से जांच की तो सारा मामला समझ में आ गया। डॉ. शर्मा ने बच्ची के पेट का सीटी स्कैन कराया। इस सिटीस्कैन के दौरान देखा गया कि पेट में बाल था और वह आंत में फंसा हुआ था। जिसके बाद डॉक्टर ने लड़की के पिता से इसके बारे पूछा। तब लड़की के पिता ने बताया कि वह बचपन में बाल खाया करती थीं। लेकिन अब उसने बाल खाना बंद कर दिया है। जिसके बाद डॉ. शर्मा ने लड़की के माता-पिता को लड़की की तत्काल सर्जरी करवाने की सलाह दी। इस दौरान डॉक्टर ने लड़की के परिजनों को यह भी बताया कि ऑपरेशन जटिल है, इस वजह से बच्ची की जान को भी खतरा हो सकता है। लेकिन दूसरा कोई विकल्प नहीं होने की वजह से बच्ची की सर्जरी करने का निर्णय लिया गया। परिजनों की सहमति से डॉक्टरों की टीम ने सर्जरी की। तीन घंटे तक चले ऑपरेशन में बच्ची के पेट से आधा किलो बाल निकाला गया। सर्जरी के बाद बच्ची की सेहत में सुधार हो रहा है। उसे जल्द ही अस्पताल से छुट्टी मिल जाएगी।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

कानपुर के सपा विधायक की गिरफ्तारी मामले में पुलिस के सारे पैतरे फेल, अब कुर्की की तैयारी

सपा विधायक और उनके भाई के महाराष्ट्र में शरण लिए जाने की भी प्रबल संभावना

मुंबई हलचल/सुनील बाजपेई

कानपुर। समाजवादी पार्टी के विधायक इरफान सोलंकी और उनके भाई रिजवान सोलंकी को गिरफ्तार करने के मामले में पुलिस के तक सारे पैतरे फेल हो चुके हैं। बहुत प्रयास के बाद भी वह विधायक और उनके भाई को अभी तक गिरफ्तार नहीं कर पाई है। फिलहाल अब इस मामले में फरार चल रहे विधायक और उसके भाई की कुर्की की तैयारी भी अंतिम चरण में चल रही है। अवगत कराते चलें कि समाजवादी पार्टी के विधायक इरफान सोलंकी और उनके भाई रिजवान सोलंकी प्लाट विवाद में मुकदमा दर्ज कराया गया है, जिसके बाद वह लगातार फरार चल रहे है, जिसके फलस्वरूप गिरफ्तारी में असफल रहने वाली पुलिस अब सपा विधायक इरफान सोलंकी और उनके भाई रिजवान सोलंकी के खिलाफ कुर्की की कार्रवाई शुरूकरवाने जा रही है। इसके लिए उसने सीआरपीसी की धारा 82 के तहत अदालत से अनुमति भी ली है। विधि विशेषज्ञों के

मुताबिक नियमानुसार जब किसी मुकदमे में वांछित अभियुक्त पुलिस की गिरफ्त में नहीं आता है और आत्मसमर्पण भी नहीं करता है तो पुलिस उसके खिलाफ गैर जमानती वारंट अदालत से लेती है। इसके बाद पुलिस कुर्की की कार्रवाई शुरू करती है। इस प्रक्रिया में पहले सीआरपीसी की धारा 82 के तहत पुलिस को अदालत से अनुमति लेने पड़ती है कि वह अभियुक्त के ठिकानों पर भगौड़ा घोषित होने की मुनादी कराए और घर पर नोटिस चस्पा करें। फिलहाल फरार सपा विधायक इरफान सोलंकी के खिलाफ कुर्की की कार्रवाई अंतिम चरण की ओर लगातार पहुंचती जा रही है। वही खुफिया विभाग से जुड़े सूत्रों के हवाले से मिली जानकारी के मुताबिक फरार विधायक इरफान सोलंकी और उनके भाई इरफान सोलंकी महाराष्ट्र में एक एक सांसद के यहां भी शरण लिए हो सकते हैं। बताते हैं कि फरार विधायक के स्वर्गीय पिता से भी इस सांसद से मधुर संबंध जगजाहिर रहे हैं।

नरेन्द्र के नाम सुरेन्द्र की पाती पुस्तक का विमोचन समारोह आयोजित किया गया

मुंबई हलचल / भैरु सिंह राठौड़

राजस्थान। परमार्थ निकेतन के अध्यक्ष स्वामी चिदानन्द सरस्वती और सुप्रसिद्ध आध्यात्मिक गायक पद्मश्री कैलाश और अन्य विशिष्ट अतिथियों की पावन उपस्थिति में सुरेन्द्र कुमार जैन जी की कृति 'नरेन्द्र के नाम सुरेन्द्र की पाती' के विमोचन समारोह में सहभाग किया। सुरेन्द्र जैन तथा उनके समस्त सहयोगियों ने 'नरेन्द्र के नाम सुरेन्द्र की पाती' अत्यंत उत्कृष्ट पुस्तक लेखन किया है। उन्होंने बताया कि सैद्धन्तिक परिचय के बाद जब भी कोई पाठक माननीय श्री नरेन्द्र मोदी जी को समर्पित इस अनमोल ग्रंथ 'नरेन्द्र के नाम सुरेन्द्र की पाती' का स्वाध्याय करेंगे तो उन्हें स्वाभाविक रूप से नरेन्द्र मोदी जी के जीवन में ऊजार्वान, कर्मयोगी, कर्मठ व्यक्तित्व की झलक मिलेगी तथा वैसा ही जीवन जीने की प्रेरणा भी मिलेगी। स्वामी चिदानन्द सरस्वती ने कहा कि भारत,नाम लेते ही भारत का ऐतिहासिक इतिहास, स्वर्णिम आध्यात्मिक गाथा और एक शानदार युग याद आता है। भारत का सौभाग्य है कि 21 वीं सदी में श्री नरेन्द्र मोदी जी के रूप में सशक्त प्रधानमंत्री और विकास के महानायक हमारे पास हैं। वे आत्मविश्वास, आत्मबल और संकल्पों से भरे हुये आध्यात्मिक पुरोधा हैं जो अपने राष्ट्र के लिये समर्पित और संकल्पित है। स्वामी ने कहा कि मोदी एक ऐसे कर्मयोगी और ऊजार्वान व्यक्तित्व के पुरोधा हैं जो न केवल भारत, बल्कि पूरे विश्व को एक नई ऊर्जा प्रदान कर रहे हैं। वे पद, प्रतिष्ठा, के लिये नहीं बल्कि निष्ठा के साथ कार्य करते हुए। राष्ट्र सेवा को समर्पित जीवन जी रहे है। उनका हर फैसला साहसिक और दूरगामी परिणाम वाला होता है। उनके नेतृत्व में हमारा राष्ट्र अखंड भारत के साथ-साथ आत्मनिर्भर, स्वच्छ, सुन्दर, समृद्ध और समुन्नत भारत बनने की दिशा में अग्रसर हो रहा है। नेता और राजनेता तो बहुत होते हैं परन्तु दिलों पर राज करने वाले कुछ चुने हुये व्यक्तित्व ही होते हैं। वास्तव में जमीनी स्तर पर बदलाव करने वाले और वैश्विक स्तर पर सकारात्मक परिवर्तन लाने वाले व्यक्तित्व कभी-कभी ही धरती पर जन्म लेते है, युगपुरूष माननीय मोदी उनमें से एक हैं जिन्होंने भारतीय संस्कृति, संस्कार और आध्यात्मिकता को केन्द्र में रखकर विकास की नई गंगा प्रवाहित की है। भारतीय संस्कृति के ज्योतिर्धर श्री मोदी जी के सशक्त नेतृत्व में भारत आज एक नया माहौल, नये सवेरे का अनुभव कर रहा है। उनके द्वारा उठाया गया हर कदम एक महत्वपूर्ण बदलाव का संकेत दे रहा है। हिमालय जैसा विराट व्यक्तित्व और गंगा जैसी पवित्रता और चारित्रिक ईमानदारी लिये वे मन की बात के माध्यम से जब अपने देशवासियों से संवाद स्थापित करते हैं तो लगता है मानों भारत के अन्तिम छोर पर खड़े व्यक्ति के दर्द को वे सहजता से महसूस कर रहे हैं। स्वामी जी ने सुरेन्द्र जैन को माननीय मोदी के जीवन पर आधारित कृति के लेखन के लिए रूद्राक्ष का पौधा भेंट कर उनका अभिनन्दन किया। इस अवसर पर सासंद राजेन्द्र अग्रवाल, स्वामी जयन्त सरस्वती, प्रो जगमोहन सिंह राजपूत, डा सोमेन्द्र तोमर, विनय कुमार जैन, सुरेन्द्र कुमार जैन, सौरभ सुमन, श्रीमती अनामिका जैन अम्बर और अन्य विशिष्ट अतिथियों ने सहभाग किया। उक्त जानकारी मीडिया प्रभारी प्रवीण आर्य ने राजस्थान संपादक भैरु सिंह राठौड़ को दी है।

योग गुरू रामदेव पर हमलावर हुए भाजपा नेता– नकली घी बेचने का लगाया गंभीर आरोप

नई दिल्ली। योग गुरू रामदेव बाबा पर भाजपा नेता बृजभूषण शरण सिंह ने बड़ा आरोप लगाते हुए कहा कि बाबा साहब पंतजलि ब्रांड के नाम से नकली घी बेच रहे है। यही नहीं इसके साथ ही रामदेव पर गलीत तरीकें से कपाल भाति सिखाने को लेकर भी तंज कसा है। जिसमें उनके उपदेशों का पालन करने वाले पर गहरा निगेटिव प्रभाव पड़ा है। बृजभूषण शरण सिंह ने लोगों को बाजार से घी खरीदने के बजाय घर में गाय या भैंस रखने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि कमजोर का बच्चा कमजोर पैदा होता है। स्वस्थ व्यक्ति का बच्चा स्वस्थ पैदा होता है। स्वस्थ रहने के लिए घरों में साफ-सफाई और शुद्ध दूध और घी का होना बहुत जरूरी है। जानकारी के मुताबिक भाजपा सांसद ने औपचारिक रूप से स्पष्ट किया कि मैं जल्द ही संतों की एक बैठक बुलाऊंगा और उनसे महर्षि पतंजलि के नाम का शोषण बंद करने का आग्रह करूंगा। मैं यह सुनिश्चित करूंगा कि रामदेव के समर्थकों द्वारा बनाए और बेचे जा रहे नकली दूध उत्पादों के खिलाफ मेरे आंदोलन को संत अपना आशीर्वाद दें।

जीवन में धर्म की रक्षा का संदेश है गीताः आर्य रविदेव गुप्त

मुंबई हलचल / भैरु सिंह राठौड़

राजस्थान। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के तत्वावधान में 'गीता की यथार्थता' विषय पर ऑनलाइन गोष्ठी का आयोजन किया गया। यह करोना काल से 474 वां वेबिनार था। वैदिक विद्वान- आर्य रविदेव गुप्त ने कहा कि हमें किसी भी मूल्य पर धर्म की रक्षा करनी चाहिए,यदि हम धर्म की रक्षा करेंगे तो वह हमारी रक्षा करेगा। धर्म की रक्षा के लिए किया गया कोई भी उपाय अधर्म की श्रेणी मे नहीं आता यही श्रीकृष्ण का गीता में संदेश है। उन्होंने कहा कि समस्त ज्ञान का स्रोत वेद है और उपनिषदें द्वारा गुरु शिष्य संवाद के रूप में समझाया गया है व सभी उपनिषदों का सार गीता है। आगामी 3 दिसंबर को पूरा विश्व गीता जयंती समारोह आयोजित करेगा हमे भी गीता का संदेश जन जन तक पहुंचाना चाहिए। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने कहा कि गीता व्यक्ति को निष्काम कर्म करने की प्रेरणा देती हैं अतः हमे अपने जीवन में निरंतर कर्म करते रहना चाहिए क्योंकि पुरुषार्थी व कर्म शील व्यक्ति ही जीवन में सफलता प्राप्त करते हैं।मुख्य अतिथि आर्य नेता आर पी सूरी व अध्यक्ष राजेश मेहदीरत्ता ने भी गीता को जीवन शैली में अपनाने पर जोर दिया। राष्ट्रिय मंत्री प्रवीण आर्य ने कहा कि गीता विश्व की सबसे अधिक भाषाओं में प्रकाशित होने वाला ग्रंथ है। गायक रविन्द्र गुप्ता, कौशल्या अरोड़ा, बी डी गांधी, प्रवीणा ठक्कर, कमला हंस, कमलेश चांदना, ईश्वर देवी, शोभा बत्रा आदि ने मधुर भजन प्रस्तुत किए। उक्त जानकारी मीडिया प्रभारी प्रवीण कुमार ने राजस्थान संपादक भैरू सिंह सिंह राठौड़ को दी है।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

स्किन टैनिंग और पिग्मेंटेशन से मिलेगा छुटकारा, ट्राई करें ये आसान उपाय

गोरी और बेदाग त्वचा पाने का सपना हर किसी का होता है लेकिन गर्मियों की धूप, प्रदूषण और गलत आदतों के कारण लोगों को स्किन संबंधित समस्याओं का सामना करना पड़ता है। गर्मियों में धूप की वजह से टैनिंग और पिग्मेंटेशन की परेशानी आम हो जाती है। बेशक स्किन को धूप और प्रदूषण से बचाने के लिए आप सनस्क्रीन का इस्तेमाल करती हैं लेकिन बावजूद इसके भी आपको कई स्किन परेशानियों का सामना करता पड़ता है। अगर आप भी स्किन टैनिंग और पिग्मेंटेशन की समस्या से परेशान है तो आज हम आपको कुछ नेचुरल तरीके बताएंगे, जिससे आपकी ये परेशानी दूर हो जाएगी।

1. नींबू का रस
नींबू का रस आपके चेहरे पर ब्लीचिंग की तरह काम करता है। स्किन टैनिंग और पिग्मेंटेशन की परेशानी को दूर करने के लिए नींबू के रस में 1 टीस्पून शहद और 1/4 टीस्पून हल्दी मिक्स करें। इसके बाद इसे चेहरे पर लगाकर सूखने दें और उसके बाद चेहरे को धे लें।

2. एवाकाडो
एवाकाडो को अच्छी तरह मैश करके चेहरे पर 15 मिनट के लिए अप्लाई करें। इसके बाद चेहरे को ठंडे पानी से साफ कर लें। नियमित रूप से इसका इस्तेमाल स्किन प्रॉब्लम को दूर-दूर करने के साथ चेहरा ग्लोइंग भी बनाता है।

3. दही या छाछ
दही या छाछ का इस्तेमाल भी स्किन प्रॉब्लम को दूर करने में मदद करता है। इसके अलावा गर्मियों में इससे आपके चेहरे को ठंडक भी मिलती है। चेहरे को फेसवॉश से साफ करके दही या छाछ को 10 मिनट के लिए लगाएं और इसके बाद पानी से चेहरा धो लें।

4. खीरा
खीरा लगाने से गर्मियों में आपको स्किन टैनिंग और पिग्मेंटेशन के साथ-साथ जलन, रैशेज से भी राहत मिलती है। इसके लिए आप खीरे के रस या इसे चेहरे पर रगड़ सकते हैं।

5. पपीता
गर्मियों में इसे लगाने से चेहरे की डेड स्किन निकल जाती है और इससे नए सेल्स बनते हैं। पपीते को मैश करके इसमें कच्चा दूध मिलाकर चेहरे पर लगाएं। इसके सूखने के बाद ठंडे पानी से चेहरे को साफ करें।

होम गार्डन में भूलकर भी न लगाएं ये 5 पौधे, होते हैं जहरीले

घर की रौनक बढ़ाने और उसे महकाने के लिए फूल-पौधें का अहम योगदान होता है। कुछ फूल-पौधे सिर्फ घर महकाने और सुंदर बनाने के लिए ही नहीं, बल्कि सेहत के लिए भी अच्छे होते हैं। कुछ लोग तो सिर्फ डेकोरेशन के लिए ही सुंदर दिखने वाले पौधे लगा लेते हैं लेकिन आज हम आपको कुछ ऐसे पौधों के बारे में बताने जा रहे हैं, जिन्हें लगाना खतरनाक हो सकता है। ये देखने में खूबसूरत और आकर्षक लगते हैं, लेकिन सेहत के लिए बिल्कुल हानिकारक होते हैं। आइए जानते है कुछ ऐसे ही पौधों के बारे में, जिसे भूलकर भी घर में नहीं लगाना चाहिए।

1. Castor Plant
भले ही लोग इसि घर की डेकोरेशन का हिस्सा बनाते हो लेकिन इसे दुनिया का सबसे खतरनाक पौधा माना गया है। इस पौधे के 48 बीज 2 दिनों के अंदर इंसान की जान ले सकते हैं।

2. Bird of Paradise
बर्ड ऑफ पैराडाइस को 'क्रेन फ्लावर' के नाम से भी जाना जाता है। इसका इस्तेमाल ज्यादातर पार्टी और फंक्शन डेकोरेशन के लिए किया जाता है। देखने में यह पौधा भले ही खतरनाक हो लेकिन इसे भी बेहद खतरनाक माना जाता है।

3.Angel Trumpet
यह फूल देखने में भले ही खूबसूरत हो लेकिन यह बहुत ही खतरनाक होता है। इसकी सिर्फ खुशबू से ही आप बेहोश हो सकते हैं। इसलिए इसे भूलकर भी होम गार्डन में न लगाएं।

4. Bleeding Heart
दुनिया के कई हिस्सों में पाए जाने वाले इन फूलों का इस्तेमाल गहने बनाने के लिए किया जाता है। मगर यह इतने जहरीले होते हैं कि इनसे स्किन डिजीज होने का खतरा रहता है।

5. Chinese Lantern Plant
इस पौधे का इस्तेमाल कई दवाइयां बनाने के लिए किया जाता है लेकिन इसे बेहद खतरनाक माना जाता है। इसे घर के गार्डन में लगाना आपके लिए हानिकारक हो सकता है।

चिल-चिलाती गर्मी में आपको ठंडा रखेंगे ये 10 सुपरफ्रूट्स

बढ़ती गर्मी और चिलचिलाती धूप लोगों को डिहाइड्रेशन के साथ-साथ बदहजमी का भी शिकार बना देती है। इसके अलावा गर्मी के कारण शरीर में कमजोरी और थकावट महसूस होने लगती है। इससे आप पूरा दिन सुस्त-सुस्त नजर आते है और काम में भी ठीक से नहीं कर पाते। आज हम आपको कुछ ऐसे सुपरफ्रूट्स के बारे में बताएंगे, जिससे आपको किसी तरह की दिक्कत का सामना नहीं करना पड़ेगा। गर्मियों में आने वाले इन फलों में 80-90 प्रतिशत तक पानी होता है, जिनसे आपके शरीर को विटामिन, मिनरल्स, फाइबर, एंटी-ऑक्सिडेंट प्रचुर मात्रा में मिलता है। इनमें फैट की मात्रा न भी के बराबर होती है।

1. तरबूज
मिनरल्स, एंटी आक्सिडेंट, विटामिन बी, सी और ए से भरपूर तरबूज का सेवन आपको ढरों हैल्थ बैनीफिट्स देता है। गर्मियों में इसका सेवन आपके शरीर को अंदर से ठंडा रखने के साथ-साथ कई बीमारियों को भी दूर रखता है। यह शरीर को डिटॉक्स करने में भी मदद करता है।

2. आलूबुखारा
विटामिन ए, सी, फाइबर, मिनरल्स और ऑक्सालिक एसिड से भरपूर आलूबुखारा प्रतिरोधक प्रणाली को मजबूत करता है। गर्मियों में लोगों को अक्सर नकसीर फूटने की समस्या हो जाती है। ऐसे में रोज एक आलूबुखारा खाने से आप इस समस्या से निजात पा सकते हैं। जिन लोगों को पत्थरी हो, वह आलूबुखारा न खाएं।

3. आम
फलों का राजा कहे जाने वाला आम आयरन, पोटेशियम, विटामिन ए, सी और ई के गुणों से भरपूर होता है, जोकि गर्मियों में आपको कई प्रॉब्लम से बचाता है। आप गर्मियों में कच्चे आम का आम पन्ना भी बनाकर पी सकते हैं।

4. लीची
इसमें विटामिन बी, सी, मिनरल्स, पोटेशियम और

कॉपर होते हैं, जोकि शरीर में लाल रक्त कोशिकाएं बनाने में मदद करती है। गर्मियों में डिहाइड्रेशन से बचने के लिए यह पानी का सबसे अच्छा स्त्रोत है।

5. अनानास
अनानास में प्रोटीन, पाइबर और वसा होती है, जोकि आपको ठंडक देने के साथ-साथ कब्ज की समस्या से भी बचाता है। इसका या इसके जूस का सेवन आपको कई बीमारियों से भी बचाने का काम करता है।

6. स्ट्रॉबेरी
प्रोटीन, कैलोरी, फाइबर, आयोडीन, फोलेट, ओमेगा 3, पौटाशियम, मैग्नीशियम, फास्फोरस, विटीमिन बी और सी के गुणों से भरपूर स्ट्रॉबेरी का सेवन आपके शरीर को कई बीमारीयों से लड़ने की ताकत देता है। सपरफूड माना जाने वाला स्ट्रॉबेरी का रोजाना सेवन डायबिटीज, कैंसर और दिल की बीमारियों के साथ-साथ कई छोटी-मोटी परेशानियों को भी दूर करने में मदद करता है।

7. खुबानी
गर्मियों में मिलने वाले खुबानी की तासिर ठंडी होने के कारण यह शरीर को अंदर से ठंडक देता है। इसके अलावा इसमें मौजूद विटामिन सी, पोटेशियम, आयरन, मैग्नीशियम और बीटा कैरोटीन आपको स्किन के साथ-साथ कई हेल्थ प्रॉब्लम से भी बचाता है।

8. आड़ू
वैसे तो आड़ू की तासीर हल्की गर्म होती है लेकिन सही मात्रा में इसका सेवन आपको कई परेशानियों से भी बचाता है। बीटा कैरोटिन, विटामिन सी और एंटीऑक्सीडेंट के गुणों से भरपूर 2-3 आड़ू का सेवन आपको अंदर से ठंडक देता है।

प्रैग्नेंसी में ग्रीन टी पीना फायदेमंद है या नुकसानदेह?

बढ़ते वजन को कम करने के लिए लोगों में ग्रीन टी पीने का शौक बढ़ता जा रहा है। वह इसका सेवन इतना ज्यादा करने लगे हैं कि इसे वजन घटाने के लिए जादू की छड़ी मानने लगे हैं। आप सभी ने इसके फायदों के बारे में तो सुना ही होगा लेकिन इसे अत्यधिक मात्रा में लेने से सेहत को नुकसान भी होता है। इसके अलावा इसे कभी भी खाली पेट या फिर खाना खाने के तुरंत बाद नहीं पीना चाहिए। अगर आप दिन में इसके तीन कप पीते है तो पानी भी उसी के हिसाब से पीएं। आइए जानिए इसे ज्यादा मात्रा में लेने से क्या-क्या नुकसान होते हैं।

1. गर्भपात की समस्या
इसमें कैफीन होने के कारण यह गर्भवती महिलाओं के लिए हानिकारक हो सकती है। इसे पीने से गर्भपात होने का खतरा होता है। इसलिए प्रेग्नेंट और स्तनपान कराने वाली महिलाओं को इसे न पीने ती सलाह दी जाती है।

2. अनिद्रा
ग्रीन टी में कैफीन की मात्रा भरपूर पाई जाती है इसलिए इसे अधिक मात्रा में लेने से अनिद्रा की समस्या हो जाती है। इसके अलावा सीने में जलन और दिल की धड़कन असीमित हो सकती है।

3. आयरन की कमी
ग्रीन टी में टैनिन नामक तत्व होता है जो भोजन से आयरन लेने की प्रक्रिया को कम कर देता है। जिससे शरीर में आयरन की कमी होने लगती है। इसकी कमी होने पर एनिमिया की समस्या हो सकती है।

4. शरीर का कमजोर होना
ग्रीन टी ज्यादा पीने से भूख कम होने लगती है। जिसके कारण आप प्राप्त मात्रा में भोजन नहीं ले पाते और शरीर में पोषक तत्वों की कमी जाती है। शरीर कमजोर पड़ने लगता है।

5. गुर्दे में पथरी
ग्रीन टी में ऑक्जेलिक एसिड पाया जाता है जो इसमें मौजूद कैल्शियम, यूरिक एसिड, अमीनो एसिड और फास्फेट के साथ मिल कर गुर्दे की पथरी का कारण बनती है।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

सारा बनी टाइगर की अगली हीरोइन

खबरों के मुताबिक, टाइगर श्रॉफ की इस अनटाइल फिल्म के लिए सैफ अली खान की लाडली सारा अली खान को कास्ट किया गया है। बताया जा रहा है कि मेकर्स इस फिल्म के लिए एक फ्रेश जोड़ी के बारे में सोच रहे थे ऐसे में उन्होंने टाइगर और सारा की ऑन स्क्रीन जोड़ी के बारे विचार किया और उसके बाद उन्होंने एक्ट्रेस के नाम पर मुहर लगा दी। ऐसे में अब दर्शकों को पहली बार सारा और टाइगर का ऑन स्क्रीन रोमांस देखने को मिलेगा। इस एक्शन थ्रिलर फिल्म के नेगेटिव किरदार की तलाश अभी जारी है लेकिन कहा जा रहा है कि अगले हफ्ते तक फिल्म की पूरी कास्ट फाइनल हो जाएगी। साथ ही अगर सब कुछ प्लॉन के हिसाब से चलता है तो 10 दिसंबर से फिल्म की शूटिंग भी शुरू हो जाएगी। खबरों के अनुसार, इस अनटाइटल फिल्म की शूटिंग इंडिया के साथ-साथ कई यूरोपीय देशों में शूट किया जाएगा। फिल्म की कहानी को लेकर अभी ज्यादा जानकारी सामने नहीं आई है लेकिन कहा जा रहा है कि यह एक मिशन ओरिएंटेड मूवी है जिसमें वॉर एक्टर एक बार फिर जबरदस्त एक्शन सीन करते दिखाई देंगे। हो सकता है कि सारा अली खान भी फिल्म में एक्शन करती नजर आए। टाइगर श्रॉफ और सारा अली खान स्टारर ये अनटाइटल फिल्म बड़े पर्दे पर रिलीज होगी क्योंकि इसे बड़े पैमाने पर बनाया जा रहा है।

करीना का पहला क्रश

बॉलीवुड की टॉप एक्ट्रेस करीना कपूर खान से जुड़ी हर खबर जानने के लिए फैंस बेताब रहते हैं। अपनी खूबसूरती और एक्टिंग के दम पर अदाकारा आज इंडस्ट्री में वो मुकाम हासिल कर लिया है लोग उनकी हर छोटी से छोटी बात जानना चाहते है। भले ही वो फिल्में करे या नहीं मगर करीना खुद को लाइमलाइट में रखना बखूबी जानती हैं। करीना की यही अदा उनके हर चाहने वाले को काफी पसंद आती है। करीना कपूर का नाम उन अभिनेत्रियों में शामिल है जिनकी एक झलक पाने के लिए उनके फैंस कुछ भी कर गुजरने के लिए तैयार करते हैं। ना जाने कितने मेल फैंस की करीना कपूर क्रश रह चुकी हैं भले ही आज वो दो बच्चों की मां हो लेकिन उनकी फैन फॉलोइंग पर इसका कोई असर देखने नहीं मिलता है। मगर क्या आपको बता है एक बॉलीवुड एक्टर पर करीना को भी क्रश था जिनकी फिल्में एक्ट्रेस कई-कई बार देखा करती थीं। अगर आप सोच रहे हैं कि हम यहां करीना कपूर के पति सैफ अली खान की बात कर रहे हैं को आप गलत सोच रहे हैं। करीना ने अपने क्रश को लेकर एक बार खुद खुलासा किया था। आप ये जानकर हैरान मत होना कि करीना का क्रश कोई और नहीं, बल्कि 'आशिकी' फेम राहुल रॉय थे। उस वक्त करीना को 90 के दशक के अभिनेता राहुल रॉय पर क्रश था और वो उन्हें काफी पसंद किया करती थीं।

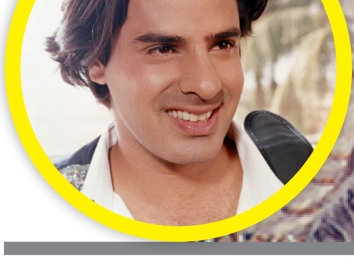

कार्तिक आर्यन ने बताया अपना वेडिंग प्लान्स

हाल ही में अपने फिल्म के प्रमोशन के लिए पहुंचे कार्तिक आर्यन ने अपने वेडिंग प्लान्स और रिलेशनशिप स्टेट्स का खुलासा करते हुए दिखे। जहां कार्तिक आर्यन ये दावा करते दिख रहे है की लवर बॉय इस समय सिंगल हैं। हालांकि कुछ दिन पहले ऋतिक रोशन की बहन पश्मीना रोशन के साथ कार्तिक आर्यन की डेटिंग की खबरें खूब उड़ी थीं। इसके अलावा एक्टर सारा अली खान को भी डेट कर चुके हैं। साथ ही इसके बाद भी कार्तिक आर्यन का नाम बहुत से एक्ट्रेसेस के साथ जुड़ चूका हैं। वही जब कार्तिक से उनकी शादी के बारे में सवाल पूछा गया तो इसके जवाब में एक्टर ने बताया कि, मेरी मां कहती रहती हैं अभी 3-4 साल काम करो। मेरे घरवालों का कहना है की आराम से काम करो और मुझे लगता है कि वो चाहती हैं मेरी लाइफ में कोई डिस्ट्रैक्शन न हो जाए...ये चीजें वजह हैं। एक्टर ने बताया कि, 'मैं अपने काम पर ध्यान दे रहा हूं इसलिए ऐसा कुछ प्रेशर फैमिली से तो बिल्कुल नहीं आया अब तक' फिर जब कार्तिक से पूछा कि क्या प्यार के लिए जगह है, इसके जवाब में कार्तिक ने हंसकर कहा, हां हां सौ प्रतिशत जगह है... क्यों नहीं? वही अब कार्तिक के बातों से ये तो साफ होता हुआ दिख रहा हैं की कार्तिक आर्यन फिलहाल शादी के मूड में नहीं हैं। लेकिन एक्टर प्यार से अभी भी इंकार नहीं कर पा रहे है।